22/12/22 आज यह पत्रावली पेश हुयी। कोई भी उपस्थित नही है। पत्रावली का मूल वाद अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज किया जा चुका है। इसलिए यह प्रार्थना-पत्र को आगे चलाने का कोई भी औचित्य नही है। अतः यह पत्रावली भी इसी स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। बाद पूर्ति दाखिल दफ्तर होवे मूल वाद के साथ संलग्न हो।

Sd/-